in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

हरीश रावत ने पंजाब कांग्रेस प्रभारी पद... 12

अखिलेश यादव ने अपराध का रनवे तैयार किया... 03

# जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 11
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | गुरुवार | 21 अक्टूबर, 2021

## अधिक आवश्यकता होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का करें प्रयोग

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्र प्रसून सचान ने उन्नत पैदावार को वैज्ञानिक तरीके से गेहूं की खेती करने के लिए किसानों को एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा गेहूं की बुवाई का समय आ रहा है इसके लिए उन्होंने किसानो को फसल की अधिक पैदावार के लिए बीज से लेकर खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीजों की उन्नत किस्मों का चयन और बुवाई की विधि के अलावा खाद एवं उर्वरक की तैयारी करने को कहा। सचान ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों का प्रत्येक वर्ष प्रयोग करने से उत्पादन क्षमता घट जाती है। इसके लिए किसानों को जैविक खादों का समन्वित प्रयोग या फिर कंपोस्ट खाद का प्रयोग करने को कहा तथा अधिक आवश्यकता होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रसून सचान ने बताया कि किसान गेहूं की बुवाई के पूर्व अपने खेत की जुताई तीन से चार बार मृदा को काफी महीन करके करे। गेहूं की फसल में सूचह्म पोषक तत्वों का ही प्रयोग करें जिससे किसानों को गेहूं की फसल से अधिक लाभ हो सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

vkj-,u-vkbZ-UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 13 अंक : 09 कानपुर देहात, गुरुवार 21 अक्टूबर 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com पृष्ठ :

# उन्नत पैदावार को वैज्ञानिक तरीके से करें गेहूं की खेती-प्रसून सचान

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्र प्रसून सचान ने समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ अनूप सचान से वार्ता करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने उन्नत पैदावार को वैज्ञानिक तरीके से गेहूं की खेती करने के लिए किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। प्रसून सचान ने बताया कि देश की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई का समय आ रहा है। किसान भाई फसल की अधिक पैदावार के लिए इस समय बीज से लेकर खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीजों की उन्नत किस्मों का चयन और बुवाई की विधि के अलावा खाद एवं उर्वरक को लेकर तैयारी करें। सचान ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से प्रत्येक वर्ष प्रयोग करने से उत्पादन क्षमता घट जाती है। इसके लिए किसान जैविक खादों का समन्वित प्रयोग करें

या फिर कंपोस्ट खाद के प्रयोग से फसल को लाभ होता है। अधिक आवश्यकता होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रसून सचान ने बताया कि किसान गेहूं की बुवाई के पूर्व अपने खेत की जुताई तीन से चार बार मृदा को काफी महीन तरीके से करें और उस पर फैले खरपतवार व फसल अपशिष्ट का प्रबंध कर के नष्ट करे। गेहूं की उन्नत किस्मों का किसान भाई चयन करें। जिससे गेहूं की पैदावार अधिक हो और खेत में छोटी–छोटी क्यारियां बना लें। जिससे सिंचाई करते समय पानी एक स्थान पर एकत्रित न होकर पूरे खेत की फसल को मिले। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि किसान भाई गेहूं की फसल में सूचहम पोषक तत्वों का ही प्रयोग करें।जिससे किसानों को गेहूं की फसल से अधिक लाभ हो सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

बुधवार, 20-10-2021 अंक-382

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

# गेहूं की बुवाई से पहले तीन-चार बार करें जुताई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्र प्रसून सचान ने उन्नत पैदावार के लिए वैज्ञानिक तरीके से गेहूं की खेती करने के लिए एडवाइजरी जारी की है। प्रसून सचान ने बताया कि देश की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई का समय आ रहा है। किसान फसल की अधिक पैदावार के लिए इस समय बीज से लेकर खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीजों की उन्नत किस्मों का चयन कर लें। सचान ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से प्रत्येक वर्ष उत्पादन घटता जा रहा है। इसके लिए किसान जैविक खादों का समन्वित प्रयोग करें या कंपोस्ट खाद के प्रयोग से फसल उगाएं। आवश्यकता पर ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। बुवाई के पूर्व खेत की जुताई तीन से चार बार करें। खरपतवार व फसल अपशिष्ट को नष्ट कर दें। खेत में छोटी-छोटी क्यारियां बना लें, जिससे सिंचाई करते समय पानी एकत्रित न होकर पूरे खेत की फसल को मिले।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

# जनमत टुडे

वर्षः12 | अंकः282 | देहरादून, बुधवार, 20 अक्टूबर, 2021 | पृष्ठः08

## उन्नत पैदावार को लिए वैज्ञानिक तरीके से करें गेहूं की खेती: प्रसून सचान

**अनिल मिश्रा** (जनमत टुडे)

**कानपुरः** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्र प्रसून सचान ने उन्नत पैदावार को वैज्ञानिक तरीके से गेहूं की खेती करने के लिए किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है प्रसून सचान ने बताया कि देश की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई का समय आ रहा है किसान भाई फसल की अधिक पैदावार के लिए इस समय बीज से लेकर खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीजों की उन्नत किस्मों का चयन और बुवाई की विधि के अलावा खाद एवं उर्वरक को लेकर तैयारी करें सचान ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से प्रत्येक वर्ष प्रयोग करने से उत्पादन क्षमता घट जाती है इसके लिए किसान जैविक खादों का समन्वित प्रयोग करें या फिर कंपोस्ट खाद के प्रयोग से फसल को लाभ होता है अधिक आवश्यकता होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें प्रसून सचान ने बताया कि किसान गेहूं की बुवाई के पूर्व अपने खेत की जुताई तीन से चार बार मृदा को काफी महीन तरीके से करें और उस पर फैले खरपतवार व फसल अपशिष्ट का प्रबंध कर के नष्ट करे गेहूं की उन्नत किस्मों का किसान भाई चयन करें जिससे गेहूं की पैदावार अधिक हो और खेत में छोटी–छोटी क्यारियां बना लें जिससे सिंचाई करते समय पानी एक स्थान पर एकत्रित न होकर पूरे खेत की फसल को मिले उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि किसान भाई गेहूं की फसल में सूचहम पोषक तत्वों का ही प्रयोग करें जिससे किसानों को गेहूं की फसल से अधिक लाभ हो सके।

FOLLOW US www.janmattoday.in facebook.com/janmattoday.in

20 Oct DT news.pdf - Read-only

Sign in to edit and save changes to this file.

26 कानपुर न्यूज www.dinartimes.in DT दीनार टाइम्स

कानपुर, बुधवार, 20 अक्टूबर 2021

# गेहूं की फसल के लिए किसान खेतों में छोटी-छोटी क्यारियां बनाएं

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग के शोध छात्र प्रसून सचान ने उन्नत पैदावार को वैज्ञानिक तरीके से गेहूं की खेती करने के लिए किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। प्रसून सचान ने बताया कि देश की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई का समय आ रहा है। किसान भाई फसल की अधिक पैदावार के लिए इस समय बीज से लेकर खेत की तैयारी, बुवाई का समय, बीजों की उन्नत किस्मों का चयन और बुवाई की विधि के अलावा खाद एवं उर्वरक को लेकर तैयारी करें। सचान ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से प्रत्येक वर्ष प्रयोग करने से उत्पादन क्षमता घट जाती है। इसके लिए किसान जैविक खादों का सम्मिलित प्रयोग करें या फिर कंपोस्ट खाद के प्रयोग से फसल को लाभ होता है। अधिक आवश्यकता होने पर ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रसून सचान ने बताया कि किसान गेहूं की बुवाई के पूर्व अपने खेत की जुताई तीन से चार बार मृदा को काफी महीन तरीके से करें और उस पर फैले खरपतवार व फसल अपशिष्ट का प्रबंध कर के नष्ट करें। गेहूं की उन्नत किस्मों का किसान भाई चयन करें। जिससे गेहूं की पैदावार अधिक हो और खेत में छोटी-छोटी क्यारियां बना लें। जिससे सिंचाई करते समय पानी एक स्थान पर एकत्रित न होकर पूरे खेत की फसल को मिले। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि किसान भाई गेहूं की फसल में सूक्ष्म पोषक तत्वों का ही प्रयोग करें जिससे किसानों को गेहूं की फसल से अधिक लाभ हो सके।

वैज्ञानिक तरीके से करें गेहूं की खेती